हिन्दी मासिक

माली सैनी सन्देश

जोधपुर

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

वर्ष : 8 • अंक 99 • 30 सितम्बर, 2013 • मूल्य : 150/- वार्षिक

राममय जीवन और राममय वाणी
मन-तन पावन करदें ऐसी पावन वाणी।
स्नेहभरा जिनके जीवन में ऐसे रामप्रसाद जी
हितोपदेश करते सदा बांटे सत्संग प्रसाद
संस्कार उच्च है जिनके और सादगी साथ।
तन-मन राममय है, रामही सदैव साथ
रामप्रसादजी का जीवन सदा रहा है पावन
मधुर प्रवचन जिनके सदा रहता है मन भावन
प्रसन्न रहते सदा जपते रहते राम
सादगी से भरा जीवन और सदा निष्काम
दया धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान।
जीवन में जिके कभी ना आया व्यथा अभियान
मनमौजी संत ये काली कमली वाले
हास्य बदन, सदा रहते भक्तों के रखवाले।
रामप्रसादजी सदा बने रहो कृपाल।
जन्मदिन की शुभकामना भेजे सभी भक्त परिवार।

रामस्नेही संत रामप्रसाद जी महाराज

के जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

जोधपुर के सुविख्यात एवं माली समाज में जन्में

संत श्री रामप्रसाद जी महाराज के जन्मदिवस की झलकियां

RAJHIN 16445/20/1/2013-TC

माली सैनी सन्देश

● वर्ष : 8 ● अंक 99 ● 30 सितम्बर 2013 ● मूल्य : 150/- वार्षिक

सम्पादक मण्डल

संरक्षक :

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, जोधपुर ठेकेदार ऐसोसियेशन)
(अध्यक्ष, माली सैनी समाज सेवा समिति)

सह संरक्षक:

श्री ब्रह्मसिंह चौहान
(पूर्व पार्षद)

प्रेस फोटोग्राफर
जगदीश देवड़ा
(रितू स्टूडियों मो. 94149 14846)

मार्केटिंग इंचार्ज
रामेश्वर गहलोत
(मो. 94146 02415)

कम्प्यूटर
इरशाद ग्राफिक्स, जोधपुर
(मो. 7737651040)

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ सम्पादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रसंगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

इस अंक में

आवरण कथा

गरीबी कम करने में श्री अशोक गहलोत ने मोदी को पछाड़ा

विकास पुरूष स्व. श्री मानसिंह देवड़ा की

द्वितीय पुण्यतिथि पर हार्दिक श्रद्धांजलि

46साल उम्र, 105 बार रक्तदान

शिक्षा के बिना समाज का विकास संभव नहीं: गहलोत

श्री अशोक वर्मा रामजी महाजन पिछड़ा-वर्ग सम्मान से सम्मानित

बैंगलोर में गणेश चतुर्थी की धूम

सिरोही समाज ने रामदेवरा पैदल यात्रियों का किया स्वागत

कड़ी मेहनत से मिलता है लक्ष्य : पंवार

श्री रामप्रसाद जी महाराज (श्री बड़ा रामद्वारा, सूरसागर, जोधपुर)

मारवाड़ माटी सुविख्यात रामस्नेही सन्त श्री रामप्रसाद जी महाराज के

(देवझूलनीएकादशी) जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में विशेष

विविध समाचार

सम्पादक की कलम से ...

स्वास्थ्य ही धन है . . .

मनीष गहलोत
प्रधान सम्पादक

संतुष्ट और सुविधाजनक जीवन के लिए हर एक को कुछ वस्तुओं की आवश्यकता होती है। ऐसी आवश्यक वस्तुओं में खाना कपड़े और मकान बहुत मुख्य है जिनके बिना हम जीवित नहीं रह सकते। ये वस्तुएँ उपलब्ध हो तो संतोष अपने आप अवश्य ही आ जायेगा। लेकिन मनुष्य बहुत सारी और चीजें पाना चाहता है, जो उसके ख्याल में, मनुष्य के संतोष के लिए आवश्यक है। आजकल बहुत से लोगों की अनुभूति है कि संतोष के लिए टी. वी. अपने जीवन का एक खास अंग है। धन या ऐश्वर्य के बिना हम संतुष्ट नहीं रह सकते। सिर्फ धन हमें संतोष का वादा नहीं कर सकता। एक सुप्रसिद्ध कहावत है ‘स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क’। इसका अर्थ है – शरीर स्वस्थ हो तो दिमाग के विकास होने की संभावना है। तमिल भाषा में एक कहावत है, जिसका अर्थ है – अगर दिवार हो तो हम चित्र बना सकते है। अगर किसी में स्वास्थ्य की कमी है तो यह एकतरफा विकास है।

स्वास्थ्य सादे जीवन की देन है। सादे भोजन खाने की आदत और सादे रहन–सहन के तौर तरीके हमें रोग लेने से बचाते है। अच्छा व सादा भोजन शरीर को शक्ति प्रदान करता है। ऐसे ही कपड़े भी सादे होने चाहिये। पाश्चात्य ढंग की पोशाक, दिखावे के लिए भले ही हो, पर हमारी जलवायु को जंचता नहीं, अपने यहाँ की पोशाक में तो कोई आराम से रह सकता है, असुविधा की बात नहीं होती और अस्वस्थ होने का डर भी नहीं होता। उसी तरह हमारे रहने के मकान भी आलीशन होने की जरूरत नहीं, बल्कि हवादार साफ सुथरा होना चाहिए। ताजी हवा के आने से और मकान हवादार होने से हमारे अच्छे स्वस्थ के लिए अच्छा वातावरण मिलता है। इस प्रकार खाना कपड़े और मकान सब सादे हो तो स्वास्थ्य के अच्छे रहने की संभावना है। अगर स्वास्थ्य अच्छा रह गया तो वह स्वास्थ्य ही दूसरी भलाइयों की ओर अपने आप ले जायेगा। अत: स्वास्थ्य ही सब से बड़ा ऐश्वर्य है, जिसे हर एक पाना चाहता है।

पिछले 7 वर्षो में राजस्थान ने 19.7 प्रतिशत गरीबी घटाई जबकि गुजरात ने मात्र 15 प्रतिशत कम की

गरीबी कम करने में श्री अशोक गहलोत ने मोदी को पछाड़ा

जयपुर। गरीबी कम करने के मामले में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुजरात को पीछे छोड़ते हुए वहां के मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी के दावों की पोल खोल दी है। एक मीडिया रिर्पोट में कहा गया है कि पिछले सात वर्षो के दौरान राजस्थान में गरीबी में 19.7 फीसदी की गिरावट आई है जबकि गुजरात में यह गिरावट मात्र 1.5 फीसदी ही हुई है। मीडिया रिपोर्ट में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर द स्टेडी ऑफ रीजनल डवलपमेंट के प्रमुख अभिताभ कुण्डू के हवाले से कहा गया है कि आकड़ों को देखते हुए राजस्थान अब बीमारू राज्य नहीं है। राजस्थान ने गरीबी कम करने के मामले में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इससे केंद्र की यूपीए एवं राजस्थान की कॉंग्रेस सरकार को संबल मिलेगा। इन आकड़ों के आधार पर सरकार कह सकती है कि अन्य दलो की सरकारों की तुलना में कॉंग्रेस ने गरीबी निवारण के लिए ज्यादा काम किए है।

नई दिल्ली से प्रकाशित बिजनेस स्टैडर्ड समाचार पत्र में छपी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि गरीबी कम करने के मामले में वर्ष 2011-12 के दौरान गुजरात मण्डल राजस्थान से पीछे रह गया है। वर्ष 2011-2012 की अवधि में दोनों ही राज्यों की पॉवर्टी रेट्स राष्ट्रीय औसत 21.9 प्रतिशत से कम थी।

मीडिया रिपोर्ट में योजना आयोग की रिपोर्ट में उल्लेखित ऑकड़ो के हवाले से कहा गया है कि वर्ष 2011-12 के दौरान राजस्थान में बीपीएल आबादी 14.7 प्रतिशत थी जा राष्ट्रीय औसत में 7.2 प्रतिशत कम है। इसी अवधि में गुजराज में बीपीएल आबादी 16.6 प्रतिशत थी जो राष्ट्रीय औसत से 5.3 प्रतिशत कम है। ये आकड़े योजना आयोग ने आधिकारिक तौर पर अभी जारी नहीं किए है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2004-05 की अवधि में गुजरात की स्थिति राजस्थान से बेहतर थीं इस दौरान गुजरात की बीपीएल आबादी 31.6 प्रतिशत थी। इस अवधि में राजस्थान की बीपीएल आबादी 34.4 प्रतिशत थी। इस दृष्टि से पिछले सात वर्षो में राजस्थान की पावटी रेट में 19.7 प्रतिशत की गिरावट आई है। जबकि गुजरात में यह गिरावट 15 प्रतिशत रही।

इन सात वर्षो के दौरान गुजरात के ग्रामीण इलाकों की पॉवर्टी रेट 39.1 प्रतिशत से घटकर 21.5 प्रतिशत हो गई। इस तरह गुजरात की ग्रामीण पॉवटी रेट में 17.6 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसके विपरीत राजस्थान की ग्रामीण पॉवर्टी रेट 35.8 प्रतिशत से घटकर 16.12 प्रतिशत ही रह गई है। इस तरह राजस्थान की ग्रामीण पॉवर्टी दर में 19.7 प्रतिशत की गिरावट आई।

वर्ष 2011-12 की अवधि में राजस्थान के शहरी इलाकों की तुलना में गुजरात के शहरी क्षेत्रों में बीपीएल आबादी कम थी। इस अवधि में गुजरात के कस्बो में रहने वाली 10.1 प्रतिशत आबादी गरीब थी जबकि इसी अवधि में राजस्थान के कस्बों में रहने वाली 10.7 प्रशित आबादी गरीबी रेखा से नीचे की थी। यहाँ भी गुजरात की तुलना में राजस्थान में पॉवर्टी रेट में ज्यादा गिरावट दर्ज की गई है। वर्ष 2004-05 में गुजरात में 20.1 प्रतिशत शहरी आबादी गरीब थी। इस दृष्टि से पिछले सात वर्षो में गुजरात में शहर गरीबी में 10 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि राजस्थान में वर्ष 2004-05 में 29.7 प्रतिशत शहरी आबादी गरीब थी जो वर्ष 2011-12 में घटकर 10.7 प्रतिशत हो गई है। इस तरह राजस्थान में पिछले सात वर्षो के दौरान शहरी गरीबी में 19 फीसदी की गिरावट आई है।

विकास पुरुष स्व. श्री मानसिंह देवड़ा की द्वितीय पुण्यतिथि पर हार्दिक श्रद्धांजलि

जोधपुर 07 सितम्बर 2013 स्वं श्री मानसिंह देवड़ा स्मृति संस्थान के सदस्य मयंक देवड़ा ने बताया देवड़ा स्मृति संस्थान के तत्वधान ने आज राजस्थान आवासन मण्डल के पूर्व अध्यक्ष, पूर्व विधायक एवं जन प्रिय नेता स्व. श्री मानसिंह देवड़ा को उनकी द्वितीय पुण्यतिथि पर मण्डोर स्थित देवड़ा कृषि फार्म, मण्डोर पर सवेरे से ही उनके चाहने वाले काँग्रेस कार्यक्रताओं व नेताओं ने पुष्पाजंलि अर्पित कर स्व. देवड़ा को याद किया।

स्व. श्री देवड़ा की पुण्यतिथि के अवसर पर देवड़ा कृषि फार्म, मण्डोर पर उनकी स्मृति में भव्य रक्तदान का कार्यक्रम रखा गया। जिसमें सभी तबके के लोगों ने जात-पात से उठकर स्व. नेता को रक्तदान कर, देवड़ा के समाज के प्रति समर्पण की भावना को स्थापित रखा। आज कार्यकर्ताओं ने पुष्पाजंलि अर्पित कर देवड़ा के जोधपुर में किये गये विकास कार्यो एवं कार्यकर्ताओ के प्रति उनकी भावना को अपने आखों के आसुओं को रोक नहीं पाये व रूद्र कण्ठ से देवड़ा का श्रद्धासुमन अर्पित किये।

सर्वप्रथम स्व.श्री देवड़ा की पुत्री कुन्ती ने अपने पिता के सहयोगी के रूप में रही ने रक्तदान कर माहौल को गमगीन कर दिया। साथ ही कतारबंद युवाओं एवं श्री देवड़ा परिवार के सदस्यों ने विकास पुरूष की याद में रक्तदान देने का तातां लगा दिया। तकरीबन 200 से अधिक रक्तदाताओं ने रक्तदान कर श्री देवड़ा के मार्ग दर्शन पर चल जोधपुर एवं प्रदेश में भाईचारा एवं सद्भावना बनाये रखने के लिये शपथ ली।

स्व. श्री देवड़ा को पुष्पाजंलि देने वालो में स्व. श्री देवड़ा की माताजी श्रीमती जमना देवी ने सर्वप्रथम श्रद्धासुमन अर्पित कर पुष्पाजंलि कार्यक्रम की सुरूवात की तत्पश्चात् जोधपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री राजेन्द्रसिंह व्यक्तित्व के धनी थे व स्पष्टवादी विचार धारा के इस व्यक्ति में समाज, व जात पात से ऊपर उठकर हर तबके के विकास के लिये युगपुरूष की भूमिका निभाई। स्व. श्री देवड़ा ने कच्ची बस्तियों, खेल प्रेमियों व जोधपुर शहर के सौन्दर्यकरण के युग दृढ़ता के रूप से हमेशा याद रहेगे।

जोधपुर नगर निगम के महापौर श्री रामेश्वर दाधीच ने पुष्पांजलि अर्पित कर कहा कि देवड़ा सदेव विकास एवं आम कार्यकर्ताओं के बीच रहकर तबके के विकास के लिये युगपुरूष की भूमिका निभाई। स्व. श्री देवड़ा ने कच्ची बस्तीयों, खेल प्रेमियों व जोधपुर शहर के सौन्दर्यकरण के युगदृढ़ता के रूप में हमेशा याद रहेगे। शहर जिला काँग्रेस केमेटी के अध्यक्ष श्री सैय्यद अन्सारी ने कहा कि देवड़ा ने अल्पसख्यकों के लिये व उनके क्षेत्रों में जो कार्य किए जिससे वे विकास पुरूष के नाम से पहचाने जाते है। श्री देवड़ा न सदैव रोजों के दौरान अल्पसख्यक लोगों को अपनायत की भावना से गले लगाते थे, पर अब हमेशा ऐसे अवसरों पर देवड़ा की कमी खलती हे।

बि.सु.का के उपाध्यक्ष श्री जुगल काबरा ने कहा कि समाज के सभी क्षेत्रों में अग्रणीय भूमिका निभाने वाले व्यक्तित्व के धनी थे। विकास के किसी भी कार्य का करने के लिये अपने आप को समर्पण की भावना से रखकर उस कार्य को पार लगाते थे। उनकी कार्य करने की इसी शैली ने ही विपक्ष के लोगों में भी अमिट छाप छोड़ी, जिसकी वजह से विपक्षी उन्हें लौह पुरूष मानते हुये विकास पुरूष बताया। इस अवसर पर उनके परिवार के सदस्यों पत्नी श्रीमती बसन्त कवरं देवड़ा, पुत्र प्रदीप,

चेतन, भगवत देवड़ा, भ्राता शंकरसिंह, दिनदयाल व किशनसिंह देवड़ा एवं कुलदीप परिहार, ठे. गेनसिंह व हेमसिंह जी ने पुष्पाजंलि की।

इस अवसर पर जोधपुर शहर के वरिष्ठ काँग्रेस जन श्री कैलाश टाटिया, जेफु खां, गोविन्द श्रीमाली (काका) सलीम खां, थानाराम सियाग, हिरादेवी वड़ वड, राज गहलोत, सुरेश प्यास, शान्तिलाल लिम्बा, बी.डी पुरोहित, जगदीश पंवार, रोशन साखंला इमामुदीन भाटी, अनिल टाटिया, राहुल पारासर, औमकार वर्मा, गन्नी फौजदार, अहमद मेहर, जसवन्त सिंह कच्छवाहा, प्रदीप गांग, इकबाल करणसिंह इन्दा, रघुवीर सैन, हनुमान सिंह खांटा, आईदान चौधरी, रामसिंह सान्जु, अरूणा चौधरी, शारदा चौधरी, निर्मला देवड़ा लियाकत अली, हरिसिंह गहलोत, महेश गहलोत, लक्ष्मण परिहार, रोहित गहलोत, राकेश कच्छवाहा, विरेन्द्र गहलोत, हेनसिंह गहलोत, मनीश परिहार, अशोक कुमार कच्छवाहा, लतेश माती, लेखराज गहलोत, नरेन्द्रपुरी, अरविन्द, हिम्मत सिंह कच्छवाह, घेवरसिंह जी,

कच्छवाहा, दलीपसिंह गहलोत एवं एन.एस. यु. आई अध्यक्ष पुष्प गहलोत ने पुष्पाजलि की। इस अवसर पर जोधपुर शहर के वरिष्ठ भाजपा नेता श्री मोहन मेघवाल, पूर्व मंत्री श्री राजेन्द्र गहलोत, पूर्व महापौर श्री राजेन्द्र कुमार गहलोत, शहर भाजपा अध्यक्ष श्री नरेन्द्रसिंह कच्छवाह, राजेन्द्र बोराणा, धनश्याम वैष्णव इत्यादि ने पुष्पाजंलि कर श्रदासुमन अर्पित किये। डा. एस. एन. मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डा. अरविन्द माथुर प्रशासनिक अधिकारी, दिनेश पंवार, ठाकुरदास इत्यादि ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किये।

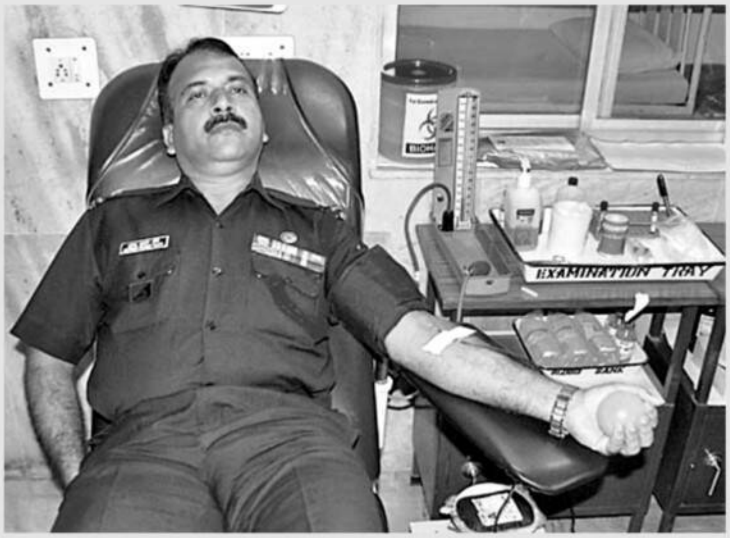

46साल उम्र, 105 बार रक्तदान

जोधपुर। सेना के 224 आयुध डिपो में कार्यरत 46 वर्षीय नायब सूबेदार सुरेश सैनी ने गुरूवार को यहां मिलिट्री हॉस्पिटल में 105वीं बार रक्तदान रिकॉर्ड बनाया। इस अवसर पर यूनिट के मेजर ने उन्हें मेडल प्रदान किया। सैनी ने बीते 27 साल में 105 यूनिट यानी 36 लीटर 705 एमएल खून दिया है, जो सेना में एक रिकॉर्ड है। सैनी ने सेना में 76 और सिविल क्षेत्र में 29 बार रक्तदान किया है।

वर्ष 1986 से दे रहे हैं खून

सैनी ने पहली बार वर्ष 1986 में सेना में चयन होने के बाद रक्तदान किया था। तब से यह सिलसिला जारी है।

कारगिल युद्ध में 4 बार रक्त देकर बचाई जवानों की जान

कारीमल युद्ध के दौरान उन्होंने चार बार रक्तदान कर जवानों की जान बचाई थी। वे नियमित अंतराल से रक्तदान कर रहे है। सैनी का कहना है कि एकाथ बार यह क्रम टूट गया होगा, लेकिन वे हर चार माह बाद खून देते हें

परेशान देखा तो पसीजा मन

जब वे सेना में शामिल हुए तो मिलिट्री अस्पताल सिकंदराबाद में कुछ लोगों को खून के लिए परेशान देखा था। सैनी बताते हैं कि सेना में आने से पहले भी सिविल अस्पतालों में लोगों को खून के लिए भागदौड़ करते देखा था। सिकंदराबाद में ही पहली बार उन्होंने रक्तदान किया था। इसके बाद से ही मन में ठान लिया कि वे नियमित रूप से रक्तदान करेंगे।

सिर्फ एक प्रतिशत लोगों के रक्तदान से जरूरत पूरी

सैनी का कहना है कि एक प्रतिशत लोग भी रक्तदान करें तो कभी भी किसी भी मरीज के लिए खून की कमी नहीं होगी। इसके लिए युवाओं को आगे आना चाहिए। रक्तदान करने से किसी तरह की कमजोरी नहीं आती हैं।

सुरेश सैनी, नायब सूबेदार, 224 आयुध डिपो जोधपुर

उम्र: 46 वर्ष, मूल निवासी: करनाल (हरियाणा)

दिनचर्या: सुबह जल्दी उठकर परेड व व्यायाम करते है।

खानपान: सामान्य खाना, कभी कभार अनार खाते है।

तीन माह में एक बार खून दे सकता है सामान्य व्यक्ति

सामान्य व्यक्ति तीन माह में एक बार रक्तदान कर सकता हे। इस अवधि में व्यक्ति के शरीर में हिमोग्लोबिन व टीआरबीसी बन जाता है। इसमें 90 दिन लगते है। ऐसे में कोई व्यक्ति लगातार रक्तदान करता है तो उसके शरीर पर कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़ता है। बशर्ते वह नियमित रूप से सामान्य खाना खाए, जिससे खून में हिमोग्लोबिन व टीआरबीसी बनता रहे।

शिक्षा के बिना समाज का विकास संभव नहीं: गहलोत

नगर के माली समाज धर्मशाला में माली युवा संगठन के तत्वाधान में माली समाज प्रतिभा समारोह का आयोजन आयुक्त नगर परिषद शंकरलाल गहलोत के मुख्य आतिथ्य, नगर पालिका उपाध्यक्ष गंगाराम परमार की अध्यक्षता व महंत मोहनराम महाराज के सानिध्य में आयोजित हुआ। समारोह में चंद्रकांत भाई पढियार, महेशभाई गहलोत, कृषि मंडी डायरेक्टर अमराराम परमार, जवाराराम परमान व सांवलाराम परमान बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। समारोह के मुख्य अतिथि शंकरलाल गहलोत ने प्रतिभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के बिना परिवार व समाज का विकास संभव नही है। गहलोत ने कहा कि आज शिक्षित समाज ही विकास की सही राह पर चल सकता है। उन्होंने कहा कि समाज में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पालिका उपाध्यक्ष गंगाराम परमार ने बालिका शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षित बालिका दो परिवारों के रोशन करत है। उन्होंने समाज विकास के बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने की अपील की। समारोह को समाजसेवी महेश भाई गहलोत, अमराराम परमार सहित कई वक्ताओं ने संबोधित कर समाज विकास के लिए युवाओं को आगे अपने की अपील की। समारोह के दौरान प्रतिभाओं को चांदी के मैडल, स्मृति चिन्ह व स्कूल बैग देकर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान भामाशाह भारताराम सुंदेशा, रिड़मलराम परिहार, जीवाराम परमार, अशोक कुमार कच्छवाहा, तगाराम टाक, मनजीराम गहलोत का साफा बंधवाकर स्वागत किया गया। युवा अध्यक्ष पीराराम परमार ने आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन गोरखाराम गहलोत ने किया। इस अवसर पर मोहनलाल गहलोत, विरधाराम, खेताराम, जामताराम, मदरूपाराम सुंदेशा, पांचाराम, धुड़ाराम, पूनमाराम सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मैडल व स्मृति चिन्ह पाकर खिले चेहरे

माली समाज प्रतिभा समारोह में प्रतिभाओं को चंदी के मैडल, स्कूल बैग व स्मृति चिन्ह मिलने पर उनके चेहरे पर खुशी की झलक दिखाई दी। समारोह में 451 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। वहीं मुख्य अतिथि द्वारा स्थानीय कर्मचारीयों का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया।

श्री अशोक वर्मा रामजी महाजन पिछड़ा–वर्ग सम्मान से सम्मानित

शाजापुर - संयुक्त माली सैनी मरार समाज द्वारा 30 अगस्त को भोपाल के हिन्दी भवन (पोलीटेक्निक चौराहा, श्यामला हिल्स) में स्व0 श्री रामजी महाजन की पुण्यतिथि पर ''रामजी महाजन पिछड़ा वर्ग सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस सम्मान समारोह में शाजापुर के माली अशोक वर्मा को ''समाज में अच्छा कार्य करने पर'' रामजी महाजन पिछड़ा वर्ग सम्मान से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मान0 श्री रामेश्वर नीखरा, उपाध्यक्ष, म0प्र0 कांग्रेस कमेटी, श्रीमान् सुधाकर राव गणगणे, उपाध्यक्ष, महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी, अध्यक्ष जगदीश सौनी, राष्ट्रीय अध्यक्ष ऑल इण्डिया सैनी सभा, श्रीमती पुष्पलता कावरे पूर्व विधायक, अध्यक्ष संयुक्त माली सैनी मरार समाज, विशेष अतिथि श्री सरदारसिंह डंगस, पूर्व अध्यक्ष, पिछड़ा वर्ग आयोग, श्री बटनलाल साहू महा सचिव, म0प्र0 कांग्रेस कमेटी, श्री राजेन्द्र गेहलोत अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग विभाग, म0प्र0 कांग्रेस, डॉ0 पी0एन0 अम्बाडकर, प्रधान संपादक महात्मा फुले दर्शन, श्रीमती विभा पटेल, पूर्व महापौर नगर निगम भोपाल व संचालक रामनारायण चौहान, उपाध्यक्ष, संयुक्त माली सैनी मरार समाज द्वारा इस सम्मान समारोह में शाजापुर के माली अशोक वर्मा को समाज में अच्छा कार्य करने पर ''रामजी महाजन पिछड़ा वर्ग सम्मान'' से सम्मानित कर प्रतीक–चिन्ह व शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। माली अशोक वर्मा के सम्मानित होने पर शाजापुर, सारंगपुर, भोपाल, धार, आगर, देवास, उज्जैन, इन्दौर, जावरा, रतलाम, राधोगढ़, नागदा, होशंगाबाद, जबलपुर मंदसौर के समाज–जनों एवं ईष्टमित्रों ने बधाई दी।

बैंगलोर में गणेश चतुर्थी की धूम

माली (सैनी) समाज बनशंकर ट्रस्ट बंगलोर के तत्वाधान में द्वितीय गणेश चतुर्थी महोत्सव कनकपुरा मेन रोड, तातगुणी स्थित समाज भवन प्रांगण में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रथम दिन गणपति महाराज, भगवान कृष्ण एवं लिखमीदास महाराज की तस्वीरों की पूजा अर्चना एवं महाआरती की गई, इस अवसर पर भजन सन्ध्या आयोजित कि गई जिसमें भजन कलाकाल पारसम एण्ड पार्टी ने भजनों की प्रस्तुति दी एवं चढ़ावों की बोलीयो का आयोजन किया गया।

द्वितीय दिवस महाप्रसादी का अयोजन किया गया एवं चढ़ावों के लाभार्थी एवं अतिथियों का ट्रस्ट की ओर से अभिनन्दन किया गया।

इनका हुआ अभिनन्दन:- माली (सैनी) समाज कर्नाटक बेंगलोर भूतपूर्व अध्यक्ष भंवरलाल तंवर के उपाध्यक्ष माधुलाल चौहान, उदयराम बागडी, कालुराम भाटी। माली समाज कर्नाटक बेंगलोर (जेएसबी) के अध्यक्ष-टिकमचन्द परमार, मंत्री-वरदीचन्द देवडा, कोषाध्यक्ष- रमेश सोलंकी, संगठन मंत्री-दुदाराम सोलंकी, बेंगूर रोड माली समाज के भागीरथ पवार, प्रकाशचन्द, सुगनचन्द, वर्तुर माली समाज के देवाराम, कच्छवाह, हापुराम चौहान का अभिनन्दन किया गया।

इन्होंने किया अभिनन्दन:- दलाराम सांखला, उपाध्यक्ष-कानाराम पालडीया, मंत्री- सोहनलाल सांखला, सहमंत्री-रामेश्वरलाल सोलंकी, कोषाध्यक्ष-रामेश्वरलाल चौहान, सह कोषाध्यक्ष- बालुराम पंवार, सलाहकार-लक्ष्मणराम बागडी ने अभिनन्दन किया गया, संचालन पारसमल तंवर ने किया।

सिरोही समाज ने रामदेवरा पैदल यात्रियों का किया स्वागत

सिरोही। मोडासा से रामदेवरा जा रहे पैदल संघ का प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सिरोही नगर प्रवेश पर स्वागत किया गया। गुजरात के मोडासा से रामदेवरा दर्शन कर ध्वजा चढ़ाने के लिए निकला ये संघ हर वर्ष श्रद्धालुओं के एक बड़े समूह के साथ पैदल यात्रा करता हैं व उनकी यात्रा के इस पड़ाव में सिरोही पहुंचने पर उनका शहर वासियों द्वारा बाबा रामेदेव होटल समूह द्वारा स्वागत किया जाता हैं उनके बाद संघ में शामिल श्रद्धालुओं को गोयली चौराहा स्थित राम-रसोड़े में भोजन, जलपान आदि का प्रबंध किया जाता है।

प्रबन्धक प्रकाश बी. माली ने बताया कि सोमवार को शहर पहुंचे मोडासा से रामदेवरा जा रहे संघ में 1000 हजार श्रद्धालुओं को दल 111 फिट ध्वजा के साथ रामदेवरा जा रहे हैं। सम्मान स्वागत कार्यक्रम के दौरान संघ में शामिल धमेन्द्रनाथ योगी, कान्तिदास योगी, सविता बेन, चमनाबेन योगी व संघ के साथ आये हुए संतो का साल एवं माल पहना कर स्वागत किया गया। इस अवसर नारायण भाई लौहार की ओर से संघ के मुखिया धमेन्द्रनाथ योगी को सम्मान स्वरूप सिरोही की प्रख्यात तलवार भेट की गई इस अवसर पर समाज सेवी कान्तिभाई माली, तुलसीराम, किशन प्रजापत, प्रकाश बी. माली. हरीसिंह देवल, मगनलाल चिराग, रूपाराम नर्सरी, गोविन्द भाई, लक्ष्मण सुथार, लालाराम, भुराराम, नैनाराम, मगनलाल, देवेनद्रसिंह डागी, मोहनलाल माली, भजन गायकार दिनेश माली, सुरेन्द्रसिह व भाटकडा नवयुवक मण्डल के सदस्यों सहित शहर के गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर संघ का स्वागत किया।

कड़ी मेहनत से मिलता है लक्ष्य : पंवार

जालोर। राजस्थान प्रदेश युवा माली सैनी महासभा के तत्वावधान में ज्योति बा फूले स्कूल में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह के दौरान जिलेभर से आए प्रतिभावान विद्यार्थियों को अतिथियों की ओर से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्टेज पर जब अतिथियों के हाथों प्रतिभावान विद्यार्थियों ने पुरस्कार प्राप्त किया तो खुशी से उनकी आंखे चमक उठी

कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए अखिल भारतीय धर्मशाला के अध्यक्ष श्री बाबूलाल पंवार ने कहा कि विद्यार्थियों को हमेशा लक्ष्म बनाकर कड़ी मेहनत कर आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने उपस्थित अभिभावकों से भी आव्हान् किया कि वे अपने बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा दें। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नगर परिषद बालोतरा के चेयरमेन श्री महेश बी चौहान ने कहा कि वर्तमान युग शिक्षा का युग है, यदि समय के साथ चलकर आधुनिक शिक्षा प्राप्त नहीं कि तो आगे बढ़ना मुश्किल है, इसलिए समय के साथ चलते हुए हमें अच्छी से अच्छी शिक्षा ग्रहण कर आगे बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माली सेवा समाज संस्थान के अध्यक्ष श्री मादाराम सुंदेशा ने समाज के लोगों को कहा कि समाज के विकास के लिए सभी को आगे आना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों के कड़ी मेहनत कर लक्ष्य प्राप्त करने की बात कही। कार्यक्रम को श्री हिम्मताराम परिहार, श्री प्रकाश बी. माली, श्री समेलाराम गहलोत आदि ने भी संबोधित करते हुए विद्यार्थियों को लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ने की सीख दी। इस अवसर पर समाज के कई विद्यार्थी एवं समाजबंधु उपस्थित थे। महासभा के जिलाध्यक्ष श्री सिद्धार्थ गहालेत ने बताया कि समाज के करीब 540 प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। उन्होंने बताया कि विभिन्न कक्षाओं में 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान के लिए चयन किया गया था।

जोधपुर में गणेश विसर्जन

गणपति बप्पा मोरिया की गूंज डीजे के संगीत पर नाचते गाते युवक, बच्चे एवं महिलाओं की टोलियां जय गणेश के जयकारों के साथ चारों और उल्लास व उमंग के बीच अबीर गुलाल से सरोबार लोगों का हुजूम। यह नजारा था बुधवार को अनंत चतुर्दशी पर गणेश विसर्जन के लिए निकाली गई शोभायात्रा का। शहर में दस दिनों चला आ रहा गणेश महोत्सव बुधवार 18 सितम्बर 2013 को अनेक चतुर्दशी पर धूमधाम से श्रद्धालु गणेश प्रतिमाओं के विभिन्न इलाकों से श्रद्धालु गणेश प्रतिमाओं के साथ गाते नाचते, टोलियों के रूप में माता का थान, चतुरावला बेरा, देवड़ा नगर, गांधी नगर, वोडीवाला बेरा, कीर्ति नगर परिहार नगर, रावला बेरा, मन्दिर वाला बेरा, मगरा पूंजला एवं अन्य स्थानों पर स्वयंसेवी, व्यापारिक एवं सामाजिक संगठनों ने शोभायात्रा में शामिल लोगों का स्वागत किया। पूंजला नाडी ओर राम तलाई में गणेश विसर्जन किया गया।

रामस्नेही संत

श्री रामप्रसाद जी महाराज

श्री बड़ा रामद्वारा, सूरसागर, जोधपुर

आपका जन्म 1 सितम्बर 1971 (सम्वत 2028 भादवा सुदी देवझूलनी ग्यारस) के दिन पिता श्री हजारीराम जी भाटी के घर माता श्रीमती गवरीदेवी की कोख से एक कृषक परिवार में ग्राम बाघोरिया, तहसील भोपालगढ़, जिला जोधपुर (राजस्थान) में हुआ।

पिता के घर में सन्त महापुरूषों का समय-समय पर आवागमन होता रहता था। जब आप 5 साल के हो गये थे तब एक दिन गुरू श्री मोहनदास जी महाराज सन्त मण्डली के साथ गांव पधारें सत्संग हुआं सन्त कृपा से आप अपनी दादी गट्टूबाई के साथ जोधपुर स्थिति श्री बड़ा रामद्वारा सूरसागर आ गये। दादा गुरू श्री परमहंस अभयराम जी महाराज के पावन सान्धिय में श्री मोहनदास जी महाराज से दीक्षा लेकर ज्ञान अर्जित करने लगे। बचपन से ही आप बड़े होनहार विलक्षण बुद्धि के थे। तथा यहां से 8वीं तक शिक्षा ग्रहण की तत्पश्चात् आप दरबार संस्कृत महाविद्यालय, जूनी धान मण्डी जोधपुर से संस्कृत विषय में प्रवेशिका उपाध्याय, वरिष्ठ उपाध्याय की शिक्षा के बाद इलाहाबाद से वैध विशारद की उपाधि प्राप्त की। रामायण में भी आपने उतमा की परीक्षा उतीर्ण की।

दादा गुरू श्री अभयराज जी महाराज की प्रेरणा से विद्या अध्ययन करते हुए आपने भागवत कथा प्रवचन प्रारम्भ किया। गुरू कृपा से आप इतनी कम आयु में 1069 से अधिक बार श्रीमद्भागवत सप्ताह कथा का आयोजन कर चुके हैं। आपको सन्तों के सत्संग, प्रवचन एवं सन्त साहित्य द्वारा सत्संग का परम लाभ प्राप्त हुआ। गुरू चरणों में रहकर ही आपने वाणिये कंठस्थ की।

आपके द्वारा सत्संग कथा प्रवचन एवं सनातन संस्कृति का प्रचार भारत के बद्रीनाथ, ऋषिकेष, हरिद्वार, शुक्रताल, वृन्दावन, द्वारका, सूरत, पूना, बम्बई आदि स्थानों के साथ विदेशों में भी हुआ तथा राजस्थान में स्वरूपगंज, पुष्कर, गोरड़ी, राजलदेसर, पोकरण, तिंवरी, मथानिया, ओसियां, कोटडा, खांगटा, आदि स्थानों पर कथा सत्संग के विशाल कार्यक्रमों के द्वारा आपकी संगीतमय कथा से धर्मप्रेमी जन लाभान्वित हुए। जोधपुर शहर व आस पास के सभी प्रमुख स्थानों पर आपकी जनप्रिय वाणी से सत्संग प्रेमी भाई-बहन सत्संग का लाभ प्राप्त करते रहते हैं।

श्री बड़ा रामद्वारा सूरसागर के तत्वावधान में गऊ सेवा, सन्त सेवा, चिकित्सा शिविर, भूकम्प, बाढ़ पीडितों की सेवा में सन्त श्री रामप्रसाद जी महाराज का पूर्ण सहयोग रहा है। परमहंस श्री अभयराम जी महाराज के ब्रह्मलीन होने पर परमहंस श्री मोहनदास जी महाराज ने वि.सं. 2059 में पौष माह में सन्त श्री रामप्रसाद जी महाराज को उतराधिकारी नियुक्त किया।

गुरु वन्दन

अभयराम दादा गुरू, सतगुरू मोहनदास।
राम प्रसाद कूं राखजो प्रभु ! अपनों निज दास।।
सूरसागर गुरू धाम में, व्राजै गुरू महाराज।
शीश निवाय मुख बोलिये, राम-राम महाराज।।

श्री बड़ा रामद्वारा सूरसागर में :

समाज के पावन वंश परम्परा से जनकल्याण हेतु सेवा भाव से समर्पित सन्त श्री नृसिंहदास जी, सन्त श्री टीकमदास जी, सन्त श्री श्रवणदास जी, सन्त श्री मनोहरदास जी, सन्त श्री पुनारामजी, सन्त श्री तारकराम जी, सन्त श्री रामवरूपजी, सन्त श्री कल्याणदास जी, सन्त श्री कानाराम जी।

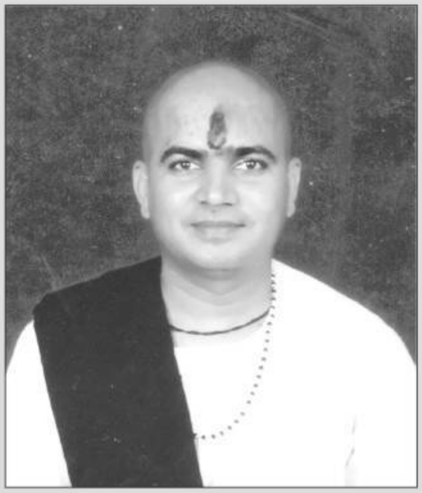

श्री बड़ा रामद्वारा सूरसागर के तत्वावधान में गऊ सेवा, सन्त सेवा, चिकित्सा शिविर, भूकम्प, बाढ़ पीडितों की सेवा में सन्त श्री रामप्रसाद जी महाराज का पूर्ण सहयोग रहा है। परमहंस श्री अभयराम जी महाराज के ब्रह्मलीन होने पर परमहंस श्री मोहनदास जी महाराज ने वि.सं. 2059 में पौष माह में सन्त श्री रामप्रसाद जी महाराज को उतराधिकारी नियुक्त किया।

मारवाड़ माटी सुविख्यात रामस्नेही सन्त श्री रामप्रसाद जी महाराज के (देवझूलनीएकादशी) जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में विशेष नाम भी ''राम'' जी रो ''प्रसादी'' भी राम जीरो

मरू-भूमि के युवासंत एक नजर में....

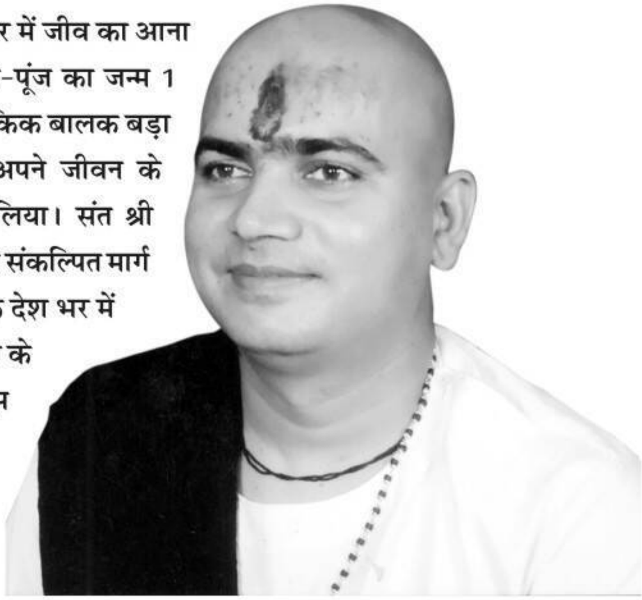

इस युग में प्रभु के अंश स्वरूप सभी जीव जगत में आते है और इस संसार में जीव का आना सार्थक हो, यही परमात्मा चाहते हैं। मारवाड़ की धरा में ऐसे ही श्रद्धा-पूंज का जन्म 1 सितम्बर, 1971 देवझूलनी एकादशी को हुआ। बाल्यकाल में वह अलौकिक बालक बड़ा रामद्वारा सूरसागर में आया। बालोचित क्रिड़ाओं से हटकर उसने अपने जीवन के साथ-साथ समस्त प्राणी मात्र के जीवन को सफल बनाने संकल्प लिया। संत श्री रामप्रसाद महाराज रामस्नेही नाम से सुशोभित संत स्वरूप में आज वे अपने संकल्पित मार्ग को सफल बनाने के प्रयास में जुटे हैं। संत रामप्रसाद महाराज ने अब तक देश भर में 1069 भागवत् महापुराण, राम कथा, नैनी बाई का मायरा व दिव्य सत्संग के माध्यम से जनमानस को भगवद् त्तत्व की उपस्थिति को साक्षात आभास कराया। संत रामप्रसाद का सरल विनम्र स्वभाव, सादा जीवन एवं सह्रदयता प्रत्येक भक्त को आनंदित करने वाली है।

गुरूकुल पाठशाला

भारतीय संस्कारों को पुनजीवित करने का प्रयास

सामाजिक सरोकरों से जुड़े कार्यो में संलग्न रहने वाले संत रामप्रसाद महाराज ने भारतीय संसकारों को पुर्नजीर्वित करने के लिए जोधपुर जिले के तिंवरी में रामस्नेही गुरूकुल विद्यापीठ आश्रम स्थापित किया है। भारतीय संस्कृति को जीवित रखने के लिए और विश्व को संस्कृत का परिचय कराने के लिए पूर्ण रूप से संस्कृत का लेखन, वाचन और उच्चारण स्पष्ट और प्रभावी हो और अपने संस्कृति के अनुरूप हो हम उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए देववाणी संस्कृत के अध्ययन के लिए तिंवरी में गुरूकुल निर्माण के लिए प्रभावशाली कदम है। स्वच्छंद प्राकृतिक वातावरण में सृष्टि के प्रत्येक महत्वपूर्ण आयाम को ध्यान में रखते हुए बालकों के सम्पूर्ण सांस्कृतिक विकास के लिए भारतीय संस्कृति के विकास और संरक्षण के लिए गुरूकुल में सूक्ष्मता का ध्यान रखा गया है, वर्तमान में 70 विद्यार्थी नि:शुल्क विद्याष्ययन कर रहे हैं। अनुशासन और नियमों का अनुपालन यहां के वातावरण को और भी सुरम्य बना देता है। देववाणी संस्कृत के प्रचार-प्रसार में संलग्न संत रामप्रसाद महाराज इस युग में सांसारिक प्रपंचो से को चरमोत्कर्ष पर पहुंचाने के स्वप्न को लेकर आगे बढ़ रहे संत रामप्रसाद कई पुस्तकों के लेखक व संपादक भी हैं। राजस्थान भाषा के विकास के लिए आपके सत्संग में सम्पूर्ण बोलचाल की भाषा राजस्थानी होती है। देश-विदेश में कथाओं में मारवाड़ी संस्कृति और बोलचाल कहावतों को अपने सदुपदेशों में सम्मिश्रण कर मातृभाषा का गौरव बढ़ाया है।

गुरूकुल मन्दिर

सूरसागर बड़ा रामद्वारा के संत रामस्नेही संत रामप्रसाद महाराज का कहना है कि सच्चा संत वही है जो लोगों के जीवन में बसंत लगा दे। सच्चा सत्गुरू जीवन को अज्ञान रूपी अंधेरे से निकालकर प्रकाश की ओर ले जाता है। जिस प्रकार कुम्हार मिट्टी का पात्र निर्मित करते समय अंदर से हाथ का सहारा देता है लेकिन बाहर से चोट करता है, सद्गुरू भी भीतरसे जीव अंश को सहाग देकर अपात्र को पात्र बनाते हैं। संत का कहना है वर्तमान में आधुनिक संसाधनों के माध्यम से मानव सभ्यता द्रुतगति से विकास जरूर हुआ है लेकिन साथ साथ हमारे स्वर्णिम संस्कार भी शिथिल पड़ते जा रहे है। अध्यात्म के क्षेत्र में स्वर्णिम अध्याय रचने आग्रसर व ''राम राम'' का अमोघ मंत्र देने वाले संत रामप्रसाद का कहना है कि वर्तमान कलियुग में केवल नाम सुमिरण से ही मनुष्य स्वयं को बचाते हुए मोक्ष प्राप्त कर सकता हैं। मात्र सात वर्ष की उम्र में ही परमहंस अभयराम महाराज के शिष्य मोहनदास महाराज से विधिवत दीक्षा के बाद देश के प्रत्येक कोने में सत्संग के दौरान अपनी पीयूष वाणी से लाखों श्रद्धालुओं को लाभान्वित कर चुके है। संत का कहना है कि हामरे संतो ऋषि मुनियों ने जो ज्ञान की थाती हमें शास्त्र व ग्रंथो के रूप से सौंपी है, उन ग्रंथो में व्याप्त ज्ञान से समूचा विश्व लाभान्वित हो वही उनका परम उद्देश्य हैं।

सेवा प्रकल्प

1. हरिद्वार के भूपतवाला सतसरोवर क्षेत्र में पाठ गुणा एक सौ बीस भुखण्ड पर रामधाम बनाया गया है जो मारवाड़ के संतों का प्रथम आश्रम है। इस आश्रम में गंगा स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के आवास व भोजन व्यवस्थान सुचारू रूप से हो रही है।

2. तिंवरी स्थित रामस्नेही गुरूकुल आश्रम के विशाल परिसर में सर्वदेवमयी गो-सेवा के लिए एक विशाल गोशाला का निर्माण किया गया है। गोशाला में न केवल बीमार-अपाहिज गोवंश की सेवा होती है बल्कि सर्वश्रेष्ठ नस्ल की राठी व थारपार जैसी लुप्त होती गोवंश को नस्लों के संरक्षण के लिए भी कार्य किया जा रहा है।

रामस्नेही संत श्री रामप्रसाद श्री रामप्रसाद जी महाराज

अधिकारी	:	श्री बड़ा रामद्वारा, सूरसागर, जोधपुर
संस्थापक	:	रामस्नेही सन्त श्री रामप्रसाद जी महाराज शिक्षण संस्थान, जोधपुर रामस्नेही गुरूकुल विद्यापीठ, तिंवरी, रामधाम आश्रम, हरिद्वार, मोहन आध्यात्मिक सेवा विहार, दत्तौपत ठेगड़ी नगर, चौखा रामस्नेही युवा संत मण्डल
सरंक्षक	:	इच्छापूर्ण बालाजी मंदिर, पावटा, जोधपुर भद्रेश्वर महादेव गौशाला, चौखा
अध्यक्ष	:	श्री रामस्नेही सत्संग केन्द्र, नागौर गेट - जोधपुर, श्री दयालु गौ जीवनजन परमार्थ सेवा समाज, भारत संस्कृत परिषद, जोधपुर
उपाध्यक्ष	:	रामधाम खेड़ापा व्यवस्थापन ट्रस्ट
ट्रस्टी	:	बड़ा रामद्वारा, बीकानेर, रामद्वारा, पाली
सदस्य	:	कॉमी एकता

भोजनशाला:- रामस्नेही गुरूकुल विद्यापीठ तिंवरी के विशाल प्रांगण में नि:शुल्क भोजनशाला का निम्रण व संचालन सन्त श्री रामप्रसाद जी महाराज द्वारा किया जा रहा हैं जिसमें प्रतिदिन गुरूकुल में अध्ययनरत विद्यार्थी एवं आगन्तुक भक्तजनों के लिए नि:शुल्क भोजन व्यवस्था है प्रतिदिन वर्तमान में 150 से 175 व्यक्तियों का प्रसाद बनता है। अन्नपूर्ण भोजन सेवा के माध्यम से भक्तजन सेवा प्रदान करते है।

नि:शुल्क जल सेवा:- ग्रामीण क्षेत्रों में नि:शुल्क जल सेवा हेतु पानी के टेंकर से नि:शुल्क सेवा सन्त श्री रामप्रसाद जी महाराज द्वारा की जा रही है।

मेडिकल सेवा:-

रामस्नेही संत श्री रामप्रसाद जी महाराज शिक्षण संस्थान एवं मोबाईल मेडिकल युनिट द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में नि:शुल्क मेडिकल सेवा केम्प के माध्यम से सेवा प्रदान की जा रही है प्रतिवर्ष, आंखों का नि:शुल्क ऑपरेशन शिविर एवं नि:शुल्क मेडिकल परामर्श शिविर लगाये जाते है।

बड़ा रामद्वारा : एक परिचय

विरक्त संतों की तपोस्थली बड़ा रामद्वारा सूरसागर सरोवर के पास स्थित है। विरक्त शाखा के प्रवर्तक परसराम महाराज विक्रम संवत् 1844 में खेड़ापा रामस्नेही सम्प्रदाय के आद्याचार्य रामदास महाराज के शिष्य विक्रम संवत् 1860 में सूरसागर सरोवर की शोभा के लिए बनी छतरी में विराजित होकर तपस्या की थी। इस स्थान पर तत्कालीन जोधपुर शासक व श्रद्धालु भक्तों ने छोटा सा स्थान बनाया जो बड़ा रामद्वारा के नाम से जाना जाता है।

इसी स्थान पर शिष्य परंपरा में श्री सेवगराम जी महाराज, श्री मोहब्बतराम जी महाराज, श्री सुबदराम जी महाराज, श्री संपतराम जी महाराज, श्री हरसुखदास जी महाराज, श्री रामवल्लभ जी महाराज तथा श्री अभयराम जी महाराज हुए। वर्तमान में श्री मोहनदास जी महाराज परमहंस गद्दी पर विराजमान है। रामद्वारा के बाहर विशाल सत्संग पांडाल है जिसमें संतों के सानिध्य में सत्संग-प्रवचन के आयोजन होते हैं। रामद्वारा में प्रवेश के लिए विशेष नियम है जिसमें रात्रि के समय माताओं-बहनों का प्रवेश पूर्णत:वर्जित है। गुरू पूर्णिमा महोत्सव सहित पोष माह में संतों की बरसी मोहत्सव के दौरान आयोजित होने वाले विशेष धार्मिक समारोह में देश भर से विभिन्न सम्प्रदाय के सैंकड़ों संतों का समागम होता हैं।

पुस्तकालय वाचनालय शोध केन्द्र की स्थापना:-

रामस्नेही सन्त श्री रामप्रसाद जी महाराज के द्वारा बड़ा रामद्वारा के पास सन्तवाणी सत्साहित्य की जानकारी हेतु शोधार्थी विद्यार्थीयों के लिए पुस्तकाय वाचनालय, शोध केन्द्र के स्थापना की गयी जिसका उद्घाटन राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री अशोक जी गहलोत ने किया।

अतिथि निवास का निर्माण:-

बड़ा रामद्वारा सूरसागर में बाहर से दर्शनार्थ आने वाले भक्तों के आवास हेतु रामद्वारा के पास ही राम भंडार के प्रांगण में सन्त श्रीरामप्रसाद जी महाराज द्वारा सुविध युक्त अतिथि निवास का निर्माण कराया गया जिसमें बाहर से आए भक्तों के आवास की व्यवस्था है।

विभिन्न समाचार

युवा माली-सैनी महासभा की जिला कार्यकारिणी का गठन

चूरू। युवा माली-सैनी महासभा की एक साधारण बैठक सरदारशहर की सैनी धर्मशाला में हुई। बैठक में जिला अध्यक्ष प्रकाश माली ने राजस्थान प्रदेश युवा माली ने राजस्थान प्रदेश युवा माली-सैनी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार अजमेरा के निर्देशनुसार चूरू जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया।

बैठक में जिला अध्यक्ष माली, महेश सैनी, सुरेन्द्र सिंगोदिया, मनीश जमालपुरिया, बाबूलाल सिंगोदिया, निर्मल गौड़, राकेश टाक, जयप्रकाश पड़िहार, श्रीकान्त सैनी, अशोक पापटाण, नरेन्द्र सैनी, रमेश पापटाण, दीपक सिंगोदिया, रमेश तंवर व खेताराम टाक आदि कार्यकर्ताओ ने विचार-विमर्श किया। बैठक में जिला अध्यक्ष पापटाण ने कहा कि युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अजमेरा ने जो दायित्व सौंपा है उसका निष्ठा के साथ निर्वहन किया जाएगा।

कार्यकारिणी में जिला संगठन मंत्री भगवती प्रसाद तंवर, सुजानगढ़, कोषाध्यक्ष व मीडिया प्रभारी महेश सैनी चूरू, जिला महामंत्री निर्मल गौड़ सरदारशहर, जयप्रकाश पड़िहार चूरू, राकेश कुमार टाक सरदारशहर, जिला उपाध्यक्ष देवकीनन्दन राकसिया तारानगर, अश्विनी राकसिया रतनगढ़, जयन्त पड़िहार रतननगर, जिला महासचिव सुरेन्द्र कुमार सिंगोदिया, सुनिल कम्मा, कैलाश जमालपुरिया, चन्दनमल राकसिया, महादेव पड़िहार सुरेन्द्र सैनी, जिला सचिव मनीष जमालपुरिया, रमेश पंवार, महेन्द्र गौड़, रतनलाल तंवर, राजकुमार महावर, हरीश दईया, ताराचंद राकसिया, धर्मपाल जाजम, श्रीकान्त सैनी, सुभाषचन्द्र सुईवाल, नीरज महावर व रामचन्द्र टाक को बनाया गया है।

इसके अलावा अशोक राकसिया, सदस्य चूरू जिला युवा बोर्ड, सहित सलाहकार मण्डल व कार्यकारिणी सदस्य बनाए गए हैं।

संयोजक की नियुक्तियां

दिल्ली। ''महात्मा फुले सामाजिक शिक्षण संस्थान'' की ''शिक्षादान की अभिनव योजना'' में प्रदेशों के समाजसेवियों को अपनी समजासेवा के साथा शिक्षादान की अभिनव योजना में सक्रिय भागीदार बनाया गया है। संस्थान के अध्यक्ष श्री शंकररावलिंगे ने संयोजक की नियुक्तियाँ करने की स्वीकृति प्रदान की। महासचिव रामनारायण चौहान द्वारा उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, गुजरात, छतीसगढ़, मध्यप्रदेश, जम्मू एण्ड कश्मीर, बिहार, झारखण्ड, उड़ीसा, महाराष्ट्र, राजस्थान, पंजाब, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु, वेस्ट बंगाल, आसाम, मणिपुर, मेघालय में संयोजकगणों की नियुक्ति का पत्र जारी किया गया हें। संयोजकगण समाज के भाई -बहनों की समाजिक एकता एवं शिक्षादानी बनाने हेतु संस्थान की आजीवन सदस्यता के प्रथम चरण में सहयोग प्रदान करेगें। संस्थान ने समाज में अपील की है कि प्रथम चरण की कक्षा 6 से विद्यार्थियों के एडमिशन कराने हेतु अजीवन सदस्यता के अभियान में शामिल होकर विश्व के प्रथम गुरूकुल के सपने को साकार करने में अगवान करें।

एक निवेदन माली समाज नेपाल की ओर से

आदरणीय स्वजाति मित्रों

मैं राम किशोर कुमार भगत माल और नेपाल के सम्पूर्ण माली जाति के ओर से आपके चरण कमल में नमस्कार।

नेपाल भी इंडिया के धर्म, संस्कृति, रहन सहन आदि मिलता है, नेपाल एक छोटा देश होते हुए भी विभिन्न जाति के लोग बरसो से निवास करते है जिनमें से एक माली जाति भी है नेपाल के हरेक प्रदेश में ये जाति विभिन्न गौत्रों से जाने जाते है जैसे माली, भण्डारी, भगत, मालाकार, सैनी, चन्माली, मल्होरी आदि ये जाति फूलों से सम्बन्ध रखती है करिब 60 हजार के संख्य में से 10 प्रतिशत से ज्यादा लोग गरीबी के रेखा में रहते है इसका मुख्य कारण है (शिक्षा, बेरोजगारी, सामाजिक चेतना में कमी आदि)। उपयुक्त समस्या के समाधान के लिए हम लोगों ने एक समिति चयन किए जिसमें हम लोगों ने एक प्लान के तहत काम करने के योजना बनाई है जिसमें सबसे पहल तथ्यांक संकलन, संकलित तथ्यांक से नेपाल सरकार से अपना जातीय तथ्यांक को राष्ट्रीय स्तर पर जानकारी काराना, विभिन्न जिलों के स्वजाति से सम्बन्ध स्थापित कर विभिन्न योजना मुल्क कार्यक्रम के बारे में जानकारी कराना, शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी आदि दूर करने के लिए देश व विदेश से सम्बन्ध स्थापित कर समस्या समधान हेतु कार्य हम लोग के मुख्य उद्देश्य है।

योजनायें :

1. गरीब बच्चों के लिए छात्रवृति की व्यवस्था करना।
2. नेपाल में माली जाती के बच्चो के लिए स्कूल निर्माण।
3. बेरोजगार युवा को इन्डियन कम्पनी में नौकरी।
4. नेपाल के माली के बारेमे नेपाल सरकार से उचित व्यवस्था कराना
5. अन्य समाज उत्थान के कार्य। उपयुक्त योजना को संचालन करने के लिए आप सम्पूर्ण स्वजाति से आवश्यक सहयोग का अपेक्षा रखते हुए आपके मार्गदर्शन की आशा करता हूँ।

धन्यवाद

आपका अनुज
राम किशोर कुमार भगत माल

24 सितम्बर गुलामी विरोधी दिवस

हम यह विचार करें कि अंतत: गुलामी का आशय क्या हो सकता हैं?

1. हम निर्मिक की कृपा से अपनी माता की कौख से जब जन्म लेकर इस पृथ्वी पर आये तब उन्मुक्त वायुमंडल का यह सौर मण्डल हमें अपनी तरह से जीने, आचरण करने के लिए खुला मंच मिला।
2. माता ने अपना दूध पिला कर पालन पौषण कर बड़ा किया।
3. माता-पिता की अपनी हैसियत से शिक्षित करने का जो अवसर मिली, उसी भांति पढ़ाने का प्रयास किया।
4. शिक्षा घर-परिवार, रिश्तेदारी, धर्म-कर्म का जो परिवेष मिला उसी भांति जीवन जीने की राह पकड़ी। यह वह समय है जब समझ बन रही है, और भविष्य का मार्ग मिलता है, अगर हम वैज्ञानिक अधारों पर जीने व अपने आपको अपनी दिशा तय करना है, तो बुद्ध, ईसा मोहम्मद, कबीर,नानक, रविदास, महात्मा जोतीराव फुले, सवित्रीबाई फुले, भीमराव अम्बेड़कर, कार्ल मार्क्स, अब्राहम लिंकन, बिरसा मुडां, पेरियर की जीवनी तथा उनके आदर्शो को प्राथमिक अध्ययन कर सत्य पर आधारित जीवन जीने की कला सीख सकते हैं।

महातमा जोतीराव फुले ने तो बहुत कम शब्दों में गुलामी से छुटकारा पाकर जीवन जीने का रास्ता बताया था कि:-

विद्या बिना मति गई। मति बिना नीति गई।। नीति बिना गति गई। गति बिना वित्त गया।।

वित्त बिना लाचारी गरीबी आई।।

इतने अनर्थ, एक विद्या बिना हुए।।

रविदास ने भी पराधीनता को पापा बताया था:-

1. पराधीन पाप है, जान लहू रे मीत। रैदास दास पराधीन से कौन करे है प्रीत।।

2. पराधीन का दीन क्या, पराधीन बे दीन। रैदास दास पराधीन को, सबही समझै हीन।।

बाबा साहेब अम्बेडकर ने बताया कि:-

गुलाम को गुलाती का अहसास करो दो, वह क्रान्ति कर देगा।

हम गुलामी की दशा विभिन्न क्षेत्रों यथा विश्व में गुलामी, राष्ट्र की गुलामी, सांस्कृतिक गुलामी, धर्म क गुलामी, समाज की गुलामी, जाति की गुलाती, मानव की मानव पर गुलामी, रीति-रिवाज पर परम्परा की गुलामी आदि गुलामी क बन्धन में जकड़े हुए है। हम आस्था-अनास्था, आस्तिक-नास्तिक, धर्म-अधर्म की विवेचना के एक पहलू बन कर उलझन में फँस कर गुलाम बने हुए है।

समाजिक क्रान्ति के जनम महात्मा जोतीराव फुले ने मानव मात्र को गुलामी से छुटकारा दिलाने के लिए सभी धर्मो के महापुरूषों के साहित्य, जीवनों का अध्ययन करने के पश्चात् भारत के गुलामों की दशा पर। जून 1873 को एक पुस्तक लिखी जिसका नाम ''गुलामी'' है। यह पुस्तक अमेरिका के गुलामों को गुलामी से छुटकारा पाने के लिए राष्ट्राध्यक्ष को भी समर्पित की गई।

सांस्कृति धार्मिक, ऊँच-नीच, वर्ण-जाति की गुलामी से मानव मात्र को स्वतंत्र करने हेतु जोतीराव फुले ने 24 सितम्बर 1873 को सत्य शोधक समाज की स्थापना की, व सार्वजनिक सत्य धर्म सिद्धान्तों पर चलने का मार्ग प्रशस्त किया। इसी का परिणाम है कि अमेरिका के काले-गोरे की रंग भेद नीति से स्वतंत्रता मिली। भारत की वर्ण वयव्सथा में शुद्र वर्ण को समानता से मानव जीवन जीने का रास्ता खुला। डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा प्रस्तुत संविधान 26 जनवरी 1949 को गणतंत्र दिवस से लागू होने से सामाजिक न्याय के अधिकार मिलना प्रारम्भ हुए। अब भारत के संविधान में मूल अधिकार हासिल हो गए है। गुलामी से मुक्त होने के लिए अपने महापुरूषों की जीवनी उनका साहित्य पढ़कर मानवता, समानता का अधिकार प्राप्त कर सकते है।

24 सितम्बर इसी कारण '' गुलामी विरोधि दिवस'' है। हमें अपनी स्वतंत्रता की इस तिथि पर गुलामी की बची-खुची व्यवस्थान से भी स्वतंत्र होने का मार्ग प्रशस्त करना है, 24 सितम्बर की महत्ता हमें यह स्मरण कराती है।

(रामनारायण चौहान)
महासचिव
phuleshikshansansthan@gmail.com
m_phule@ymail.com

माली सैनी सन्देश के आजीवन सदस्य सूची

श्री रामचन्द्र सोलंकी पुत्र श्री गोविन्दराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश गेहलोत पुत्र स्व. श्री बलदेवसिंहजी जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका) पीपाड़ शहर
श्रीबाबूलाल टाक (पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका) पीपाड़ शहर
श्री बंशीलाल मारोठिया पीपाड़ शहर
श्री बाबूलाल गेहलोत पुत्र श्री दयाराम जोधपुर
श्री सोहनलाल देवड़ा पुत्र श्री हापुराम देवड़ा मथानियां
श्री अमृतलाल परिहार पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार (उपाध्यक्ष नगर पालिका) बालोतरा
श्री रमेश कुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत बालोतरा
श्री लक्ष्मीचन्द सुंदेशा पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा बालोतरा
श्री वासुदेव गहलोत पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत बालोतरा
श्री महेश बी. चौहान पुत्र श्री भगवानदास चौहान बालोतरा
श्री हेमाराम माली पुत्र श्री रूपाराम पंवार बालोतरा
श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री हरिराम पंवार बालोतरा
श्री छगनलाल गहलोत पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत बालोतरा
श्री सोनाराम सुंदेशा पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम सुंदेशा पुत्र श्री पूनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्र कुमार पंवार पुत्र श्री अणदाराम पंवार बालोतरा
श्री शंकरलाल (पार्षद) पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार बालोतरा
श्री घेवरचंद पंवार पुत्र श्री भोमजी पंवार बालोतरा
श्री रामकरण माली पुत्र श्री किसनाराम माली बालोतरा
श्री रतन परिहार पुत्र श्री देवजी परिहार बालोतरा
श्री कैलाश काबली (अध्यक्ष माली समाज) पाली
श्री घीसाराम देवड़ा (मंडल महामंत्री भाजपा) भोपालगढ़
श्री शेषाराम श्यामलाल टाक पीपाड़ शहर
श्री बाबूलाल माली (सरपंच महिलावास) सिवाणा
श्री रमेश कुमार सांखला सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाह, लवेरा बावड़ी
संत हजारीलाल गहलोत जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार डीसा
श्री हितेश भाई मोहन भाई पंवार डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी डीसा
श्री मगनलाल गीगा जी पंवार डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा डीसा
श्री नवीनचन्द दलाजी गहलोत डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाह डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा डीसा

श्री सुखदेव वक्ता जी गहलोत डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी डीसा
श्री किशोर कुमा सांखला डीसा
श्री बाबुलाल गीगाजी टाक डीसा
श्री देवचन्द रगाजी कच्छवाह डीसा
श्री सतीश कुमार लक्ष्मीचन्द सांखला डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाह डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाह डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी डीसा
श्री अशोक कुमार पुनमाजी सुंदेशा डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार सोढ़ो की ढाणी
श्री सम्पतसिंह पुत्र श्री बींजारामजी गहलोत जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत जोधपुर
श्री जितेन्द्र पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छवाह जोधपुर
श्री सीताराम सैनी पुत्र श्री रावतमल सैनी सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी सर्वोदय सोसायटी जोधपुर
श्री जयनारायण गहलोत चौपासनी चारणान मथानियां
श्री अशोक कुमार पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी गेंवा जोधपुर
श्री रामेश्वरलाल (सुशील कुमार) गहलोत जोधपुर
श्री मोहनलाल परिहार पुत्र श्री पुरखाराम परिहार चौखा
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी चौखा
श्री मोहनलाल परिहार पुत्र श्री पुरखाराम परिहार चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कम्पनी भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भगवती खाद बीज भण्डार भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार राजस्थान फार्मेसिया जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेंट सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी सोजतरोड़
श्री राम अकेला पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा देवड़ा मोटर्स जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला सांखला सिमेंट जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र स्व. श्री बींजाराम गहलोत जोधपुर
श्री कस्तुरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी भीनमाल
श्री सांवरराम परमार भीनमाल
श्री भारताराम परमार भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी भीनमाल

श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार भीनमाल
श्री डी.डी.भाटी पुत्र श्री भंवरलाल भाटी जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार सूरसागर जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत गहलोत सूरसागर जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी आदमपुरा
श्री अशोक सांखला पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला जोधपुर
श्री नटवरलाल माली जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत जोधपुर
श्री अमित पंवार जोधपुर
श्री राकेश कुमार सांखला जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार बालोतरा
श्री अरविन्द सोलंकी जोधपुर
श्री सुनिल गहलोत जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार जोधपुर
श्री मनीष गहलोत जोधपुर
श्री योगेश भाटी अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा बिलाड़ा
श्री प्रकाशचन्द सांखला ब्यावर
श्री झुमरलाल गहलोत जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी जोधपुर
श्री महावीरसिंह भाटी जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा जोधपुर
श्री अशोक टाक जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत सालावास जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा मध्यप्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर

माली सैनी सन्देश

ही क्यों ?

क्योंकि

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पाठकों का विशाल संसार

क्योंकि

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि

हमारी क्रियेटिव टीम के साथ यह सजाती है आपके ब्रांड को पूरे देश ही नहीं विदेश में भी।

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	6,000/-
Inside Cover	4,000/-
Color Page	2,500/-

BLACK

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

write us : P. O. Box 09, Jodhpur

Cell : 94144 75464, 92140 75464

log on : www.malisainisandesh.com

e-mail : malisainisandesh@gmail.com

e-mail : editor@malisaini.org

क्योंकि सच्चा सफर कभी समाप्त नहीं होता . . .

कार्यालय : 3, जवरी भवन, भैरूबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्पलेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर

RAJHIN 16445/20/1/2013-TC

श्री अशोक गहलोत द्वारा लोक कल्याण के विभिन्न कार्यक्रमों की झलकियां

जोधपुर में राज्य के प्रथम मल्टीलेवल ओवरब्रिज का शिलान्यास
111 करोड़ की लागत से शहर की यातायात व्यवस्था सुधरेगी

जोधपुर के मण्डोर में फुटवियर डिजायन एण्ड डवलपमेंट इस्टीट्यूट के भवन का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री

बांरा में परवन सिचांई परियोजना भाग्योदय का लोकार्पण करते मुख्यमंत्री

बाड़मेर के पचपदरा में रिफाइनरी के शिलान्यास
का ऐतिहासिक दृश्य साथ में श्रीमती सोनिया गांधी

जोधपुर एम्स में मेडिकल कॉलेज व बाह्यरोगी विभाग
का लोकार्पण करते मुख्यमंत्री

जयपुर में जन्म मृत्यु वेब-पोर्टल 'पहचान' का शुभारंभ करते मुख्यमंत्री

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं संपादक मनीष गहलोत के लिए
मुद्रक यशवंत भण्डारी द्वारा भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाऊस सेक्टर 7,
जोधपुर से मुद्रित एवं माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर से प्रकाशित।
फोन : 9414475464 ई-मेल : malisainisandesh@gmail.com

पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR

log on : www.malisainisandesh.com; www.malisaini.org